पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

76 साल के नाना पाटेकर ने ट्राइसेप डिप्स किए

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 53 ■ शुक्रवार 1 मई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले में SIR मैपिंग सिर्फ़ 45.47%

75,00,3421
जिले में कुल वोटर

34,11,813
वोटरों की हुई मैपिंग

शहरी इलाकों के मतदाताओं में निराशा, ग्रामीण इलाके आगे

ठाणे. जिले में स्पेशल इन-डेप्थ री-इंस्पेक्शन (SIR) कैंपेन के तहत वोटर रजिस्ट्रेशन और वोटर लिस्ट के वेरिफिकेशन का काम चल रहा है. वहीं ठाणे जिले में टोटल मैपिंग (वोटर की जानकारी का मिलान) सिर्फ़ 45.47 परसेंट तक ही पहुंची है। जिले के कुल 75 लाख 3 हज़ार 421 वोटरों में से अब तक सिर्फ़ 34 लाख 11 हज़ार 813 वोटरों की मैपिंग पूरी हो पाई है और बाकी वोटरों का प्रोसेस अभी भी पेंडिंग है। इसलिए, प्रशासन के सामने स्पीड बढ़ाने की बड़ी चुनौती है।

इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया द्वारा पूरे देश में लागू किया गया SIR कैंपेन वोटर लिस्ट को साफ़, अपडेटेड और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए लागू किया जा रहा है। बढ़ते शहरीकरण, माइग्रेशन, मौतों और नए एलिजिबल वोटरों की वजह से वोटर लिस्ट में लगातार बदलाव हो रहे हैं। इसलिए इन सभी बदलावों को सही-सही रिकॉर्ड करने के लिए यह कैंपेन ज़रूरी है।

यह कैंपेन ठाणे जिले में जनवरी में डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन डिपार्टमेंट के ज़रिए शुरू किया गया है। हालांकि, ज़्यादातर शहरी इलाकों में लोगों का रिस्पॉन्स कम है, जबकि शहापुर जैसे ग्रामीण इलाकों में कैंपेन को अपने आप रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच, डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन डिपार्टमेंट ने जवाब दिया है कि बचे हुए लोगों की मैपिंग जल्द से जल्द पूरी करने के लिए बड़े पैमाने पर अवेयरनेस कैंपेन शुरू किया जा रहा है।

क्या है 'मैपिंग' मुख्य प्रोसेस...

- इस कैंपेन के तहत "मैपिंग" मुख्य प्रोसेस है। मैपिंग का मतलब है वोटर लिस्ट में हर नाम को फिजिकली वेरिफाई करना ताकि उस व्यक्ति की असली मौजूदगी, मौजूदा पता और पहचान का पता लगाया जा सके।
- इलेक्शन कमीशन के अधिकारी, कर्मचारी और BLO घर-घर जाकर वोटरों की जानकारी चेक करते हैं। इसमें यह पूरी तरह से जांच की जाती है कि संबंधित वोटर उस पते पर रहता है या नहीं, उसका नाम सही है या नहीं, वह दो बार रजिस्टर्ड है या नहीं, या वोटर मर चुका है या माइग्रेट कर चुका है या नहीं।
- इस प्रोसेस में नए एलिजिबल वोटरों का रजिस्ट्रेशन, मरे हुए या हमेशा के लिए माइग्रेट कर चुके वोटरों के नाम हटाना, और वोटर डिटेल्स में ज़रूरी करेक्शन भी किए जा रहे हैं।

विधानसभा क्षेत्र के हिसाब से मैपिंग

- भिवंडी रूरल – 62.33%
- शाहपुर – 75.18%
- भिवंडी वेस्ट – 52.63%
- भिवंडी ईस्ट – 49.69%
- कल्याण वेस्ट – 37.66%
- मुरबाड – 53.39%
- अंबरनाथ – 43.80%
- उल्हासनगर – 53.52%
- कल्याण ईस्ट – 46.97%
- डोंबिवली – 40.39%
- कल्याण रूरल – 31.22%
- मीरा-भायंदर – 38.55%
- ओवला-मजीवाड़ा – 37.67%
- कोपरी-पचपाखड़ी – 61.14%
- ठाणे – 46.80%
- मुंब्रा-कलवा – 42.46%
- ऐरोली – 32.17%
- बेलापुर – 42.00%

अंबरनाथ नपा की आम सभा फिर स्थगित

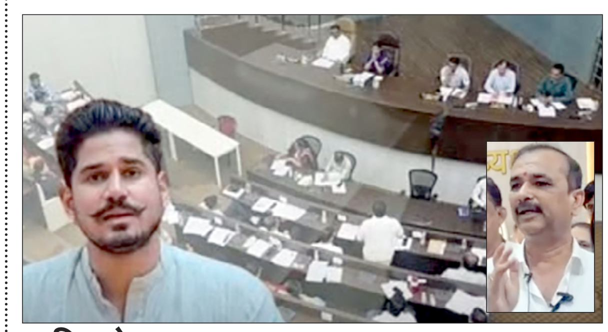

- **शिवसेना-भाजपा विवाद चरम पर**
- **दोनों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप**

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की गुरुवार को आयोजित की गई आम सभा फिर से स्थगित कर दी गई है. जिसका सभी को डर था, वही हुआ है. ये तीसरी आम सभा है, जो स्थगित की गई है. शिवसेना-भाजपा का विवाद अब चरम सीमा पर चला गया है.

सभा के बीच में विवाद इतना बढ़ गया था कि नगराध्यक्षा ने 10 मिनट का विश्राम (ब्रेक) की घोषणा की. उसके बाद भी मिनट्स को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि शिवसेना ने अपने संख्या बल 32 नगरसेवकों के बलबूते पर सभा को स्थगित कर दिया.

शिवसेना के राजेंद्र वालेकर एवं गटनेता रवि करंजुले ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व की सभा में हमारे माइक बंद किए गए थे और आज की सभा में हमारे नगरसेवकों के मिनट नहीं लिए गए. नाला सफाई के 5 टुकड़े करके उस पर 2 प्रस्ताव बताया गया जबकि एक ही मुद्दे के 2 प्रस्ताव कैसे हो सकते हैं? ऐसा वालेकर का कहना था. पिछली सभा के मिनट्स नहीं लिए गए थे. इसलिए हमारे सदस्यों ने सभा को स्थगित किया है. रवि करंजुले ने आरोप लगाया कि इससे पूर्व की बैठक स्थगित किया है.

रवि करंजुले ने आरोप लगाया कि इससे पूर्व की बैठक स्थगित होने पर भाजपा ने निषेध आंदोलन किया, जिसमें शिवसेना की निशानी धनुष्य बाण पर क्रास निशानी की गई थी. इन सब बातों को लेकर सभा स्थगित की गई है.

चार नगरसेवक भस्म हो जाएंगे -अभिजीत करंजुले

दूसरी ओर भाजपा नगरसेवक अभिजीत करंजुले ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 2025 के चुनाव में सेना का नगराध्यक्ष हार गया है. ये शिवसेना को हजम नहीं हो रहा है. चारों सदस्य (राकांपा के चार सदस्य) के नाम ना लेते हुए उन्होंने कहा कि इनके कारण पूरा डिस्टर्ब हो रहा है. ये चारों अब भस्म होने वाले हैं. नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने अपने बयान में कहा कि शहर विकास के मुद्दे अनेक थे. जो कि प्रशासन के विषय थे. हमने कहा भी कि मिनट बुक में नहीं लिए गए मुद्दे बाद में लिए जाएंगे, लेकिन राजू वालेकर नहीं माने और कहा कि अभी मिनट बुक में लो जो कि संभव नहीं था. वालेकर और रवि करंजुले ने एक सुर में कहा है कि पूरे महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा की सरकार है. इस बारे में भाजपा को सोचना चाहिए.

गिराई जाएगी 16 मंजिला झलक पैराडाइज

- **हाईकोर्ट ने दिया आदेश**
- **नियमों को ताक में रखकर टीपी मुले ने दी थी मंजूरी**
- **मनपा अधिकारियों पर भी हो सकती है कार्रवाई**
- **80% सड़क पर बनी है 16 मंजिला इमारत**

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में बिल्डरों द्वारा नियमों का उल्लंघन व मनपा अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर इमारतें तो बनाई जा रही है लेकिन उसका खामियाजा भविष्य में फ्लैट धारकों को भुगतना करना पड़ता है। ऐसे ही एक ऐतिहासिक निर्णय अगस्त 2024 में हुआ था जहां तत्कालीन आयुक्त अजीज शेख ने शहर की सबसे ऊंची 16 मंजिला इमारत को तोड़ने का आदेश जारी किया था। बिल्डर ने इस आदेश पर स्थगन आदेश लाए थे लेकिन माननीय न्यायालय ने बुधवार को इसे तोड़ने का आदेश दे दिया है। अब बिल्डर को सुप्रीम कोर्ट इस आदेश के विरुद्ध जाना होगा। क्या इससे पूर्व मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले इसे तोड़ने का आदेश जारी करेगी। इस आदेश के आने के बाद बिल्डर लॉबी में खलबली मच गई है।

नया आदेश आया

बुधवार को मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री गडकरी व श्री कमल काथा की अदालत में 14342/24 सी.नं. 4 में इसी इमारत का मामला चला जहां बिल्डर की तरफ से श्री गिरीश अग्रवाल। इस मामले में टीपी ललित कोपरखडे ने यह हलफनामा दिया है कि 80 प्रतिशत इमारत डीपी रास्ते में बाधा डाल रही है। आखिरकार माननीय न्यायाधीश ने आदेश जारी किया है कि इस इमारत को पूरी तरह जमींदोज किया जाएं। अब इस पर मनपा कार्रवाई करेगी अथवा बिल्डर खुद इसे तोड़ेंगे यह देखने वाली बात होगी। लेकिन बिल्डर के सारी बातों को न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

कुछ इस तरह का आदेश 2024 में आया था

ज्ञात हो कि उल्हासनगर-5 स्थित बैरक नं. 2112 रुम 1 से 4 तक झलक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा 16 मंजिल की इमारत बनाई है।

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 144 | शुक्रवार, 23 अगस्त 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

16 मंजिला इमारत को तोड़ने का आदेश

टीपी मुले ने इमारत को दी थी मंजूरी | आयुक्त शेख ने जाते-जाते बिल्डर को दिया झटका

- कैम्प-5 की सबसे ऊंची इमारत झलक पैराडाइज पर चलेगा हथौड़ा
- अब क्या होगा झलक अरेना व पूनम सोसायटी का?

क्या होगा 'झलक अरेना' का?

क्या होगा पूनम सोसायटी के री-डेवलपमेंट का?

उसमें कुल 65 फ्लैट और 4 दुकानें हैं। यह इमारत 36 मीटर रिंग रोड और 24 मीटर डीपी रोड में बनाई गई है। इस इमारत को इसी कारण तत्कालीन टीपी प्रकाश मुले ने 12.9.2023 को स्टे दिया था। मनपा ने इस आदेश के विरुद्ध झलक बिल्डर मुंबई हाईकोर्ट में रिट याचिका नं. 1694 दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान मनपा के वकील ने कहा कि हम बिल्डर को अपना पक्ष रखने का एक मौका देंगे। हाईकोर्ट ने. 30.4.2024 को आदेश पारित करके मनपा को निर्देश दिया कि 6 हफ्तों के भीतर इस इमारत पर अंतिम इमारत पर अंतिम निर्णय दिया जाए. आदेश की अमलबजावणी करते हुए मनपा टीपी विभाग द्वारा बिल्डर को सुनवाई का मौका दिया गया परंतु बिल्डर अपना बचाव करने में असमर्थ हुआ। अंत में मनपा आयुक्त अजीज शेख ने आदेश नं. 44/19/112 जि.16.8.2024 द्वारा बिल्डर को 36 मीटर और 24 मीटर में बनाए गए हिस्से को और इसके अलावा 1426 चौरस फीट क्षेत्र को तोड़ने का आदेश दिया है। बिल्डर को 9.70 मीटर मार्जिन छोड़ना था परंतु उसने सिर्फ 3 मीटर ही छोड़ा है। आदेश में लिखा है कि 80 प्रतिशत इमारत डीपी रास्ते में बाधा डाल रही है।

ओवरहीटिंग के कारण पानी की टंकी फटी

- **टंकी टूटने और गिरने की आवाज़ से अफ़रा-तफ़री**

उल्हासनगर. शहर में बढ़ते पारे के कारण जहां लोगों की जान खतरे में है, वहीं उल्हासनगर के दहाचाल में एक ऐसी घटना हुई है, जहां बढ़ते पारे के कारण एक बोरवेल की पानी की टंकी फट गई और दो हिस्सों में टूट गई। इससे बोरवेल का पानी स्टोर करने की समस्या खड़ी हो गई है और मनपा को तुरंत एक नई टंकी लगानी चाहिए, यह मांग सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट प्रशांत चंदनशिव ने की है।

इस समय, लोग बहुत ज़्यादा गर्मी से परेशान हैं। चिलचिलाती धूप के कारण सड़कें भी सूखी हैं। इसी बहुत ज़्यादा गर्मी के कारण कैंप नंबर 4 इलाके में दहाचाल नालंदा स्कूल के पास मनपा के वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट द्वारा लगाए गए बोरवेल के पास पानी से भरी एक बड़ी काली सिंटेक्स टंकी गर्मी के कारण फट गई और दो हिस्सों में टूट गई। इससे यह साफ हो गया है कि तापमान और बढ़ गया है।

मनपा के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट ने लोगों की पानी सप्लाई की सुविधा के लिए दहाचाल नालंदा स्कूल के पास एक बोरवेल लगाया है। उसके बगल में लोहे के स्टैंड पर एक बड़ी सिंटेक्स टंकी भी रखी थी। चूंकि बोरवेल का पानी उसी टंकी में जाता है, इसलिए लोग उसी टंकी के ज़रिए दूसरे कामों के लिए उस पानी का इस्तेमाल कर रहे थे। आजकल बहुत ज़्यादा गर्मी होने की वजह से पानी से भरी टंकी बहुत गर्म हो गई थी। पानी से भरी यह टंकी फट गई और दो टुकड़ों में टूट गई। टंकी टूटने और गिरने की आवाज़ सुनकर इलाके के लोग मौके पर पहुंचे।

नई टंकी लगाने की मांग

एडवोकेट प्रशांत चंदनशिव ने वॉटर सप्लाई ऑफिसर हरेश मिरकुटे को फ़ोन करके घटना की जानकारी दी। टंकी फटने और दो टुकड़ों में टूटने से इलाके के लोगों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ेगा। लोगों और एडवोकेट प्रशांत चंदनशिव ने मांग की है कि उस जगह पर तुरंत नई टंकी लगाई जाए।

कल्याण-बदलापुर के बीच 2-3 मई की रात पावर ब्लॉक

कल्याण. सेंट्रल रेलवे के मुंबई मंडल ने कल्याण-बदलापुर सेक्शन पर ओवरहेड इक्विपमेंट अतिक्रमण हटाने के लिए दो रात विशेष पावर व ट्रैफिक ब्लॉक की घोषणा की है. यह ब्लॉक 1 व 2 मई और 2 व 3 मई की रात को लिया जाएगा, जिसके चलते उपनगरीय लोकल सेवाएं प्रभावित रहेंगी और कुछ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया जाएगा.

रेलवे प्रशासन के अनुसार पहला ब्लॉक 2 मई को तड़के 1.40 बजे से 3.40 बजे तक कल्याण और अंबरनाथ के बीच अप व डाउन साउथ ईस्ट लाइनों पर रहेगा. दूसरा ब्लॉक 3 मई को 1.30 बजे से 3.30 बजे तक अंबरनाथ और बदलापुर के बीच डाउन साउथ ईस्ट लाइन पर लिया जाएगा.

बदलापुर-अंबरनाथ-उल्हासनगर होगा कचरा-मुक्त

- **वालीवली में वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट आखिरी चरण में**
- **600 मीट्रिक टन कचरा प्रोसेस करेगा**

उल्हासनगर. बदलापुर के वालीवली में बन रहा 148 करोड़ रुपये का इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट अब अपने आखिरी फेज में पहुंच गया है, जिससे उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर तीनों शहरों की कचरे की समस्या के पक्के समाधान की उम्मीद जगी है। 23 एकड़ एरिया में बन रहा यह बड़ा क्लस्टर प्रोजेक्ट, हर दिन 600 मीट्रिक टन से ज़्यादा कचरे को साइंटिफिक तरीके से प्रोसेस करेगा, जिससे इलाके के डंपिंग ग्राउंड पर दबाव काफी कम हो जाएगा। यह प्रोजेक्ट बदबू, प्रदूषण और बढ़ते कचरे के संकट से परेशान लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी।

बदलापुर (ईस्ट) के वालीवली इलाके में सर्वे नंबर 188 पर बन रहे इस स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रोजेक्ट की प्रोसेसिंग कैपेसिटी हर दिन 641 टन है। इस प्रोजेक्ट में गीले कचरे से ऑर्गेनिक कम्पोस्ट खाद तैयार की जाएगी और सूखे कचरे का इस्तेमाल फ्यूल बनाने में किया जाएगा। प्लास्टिक, कांच और कपड़े जैसी चीज़ों को रीसायकल करके पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मैनेज किया जाएगा। कंस्ट्रक्शन से निकलने वाले मलबे को रीसायकल करने के लिए भी एक अलग सिस्टम बनाया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुल कचरे का लगभग 55 प्रतिशत साइंटिफिक तरीके से निपटाया जाएगा, जबकि बाकी 45 प्रतिशत का इस्तेमाल गीले कचरे से खाद बनाने में किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट का इंस्पेक्शन करने के लिए MLA कुमार ऐलानी, महापौर अश्विनी निकम, उप महापौर अमर लुंड, BJP ग्रुप लीडर राजेश वढारिया, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन कलवंत सिंह सोहता, राजेंद्र चौधरी, प्रधान पाटिल, राजू गोपलानी, अनंत रूपचंदानी, नैन्सी उदासी और कई दूसरे पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव ने साइट का दौरा किया। इस मौके पर संबंधित कंपनी के अधिकारियों ने कचरे की प्रोसेसिंग, टेक्निकल सिस्टम और बाकी काम के बारे में डिटेल में जानकारी दी।

काजू व्यापारी से 24 लाख की ठगी

उल्हासनगर. एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें एक काजू व्यापारी को फर्जी ट्रांजैक्शन स्क्रीनशॉट भेजकर 23 लाख 99 हजार रुपये की ठगी की गई। इस संबंध में उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

रत्नागिरी जिले के राजापुर के काजू व्यापारी रमेश रामचंद्र वाडकर ने भिवंडी के पंकज भद्रा नाम के व्यक्ति को काजू का ऑर्डर दिया था। यह डिलीवरी 15 अप्रैल, 2026 को सुबह करीब 5.30 बजे अंबरनाथ तालुका के नेवाली पाड़ा में एक गोदाम में उतारी गई। इसमें काजू के टुकड़ों के 300 डिब्बे और पूरे काजू के 14 डिब्बे, कुल 3,140 किलोग्राम माल था, जिसकी कुल कीमत 23,99,000 रुपये थी। आरोपी पंकज भद्रा ने पेमेंट करने का दिखावा करने के लिए व्हाट्सएप पर एक फर्जी स्क्रीनशॉट भेजा। जिसमें पैसे बैंक ऑफ इंडिया के अकाउंट में क्रेडिट किए गए थे और एक फर्जी UTR नंबर देखा गया था।

स्टूडेंट पर हमला; दो परप्रांतीय भाइयों के खिलाफ अपराध दर्ज

अंबरनाथ. पार्किंग की मामूली बात पर एक कॉलेज स्टूडेंट पर जानलेवा हमला होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो परप्रांतीय भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सागर परशुराम सालुंखे (23) कॉलेज स्टूडेंट है। 28 अप्रैल, 2026 की रात को जब सागर अपने घर के बाहर बैठा था, तो पड़ोस में रहने वाले शैलेश गुप्ता ने उसे बुलाया और पार्किंग को लेकर बहस की। यह कहते हुए कि मैं अपना ठेला यहां पार्क करता हूं, तुम यहां अपनी मोटरसाइकिल पार्क मत करना, उसने सागर को गालियां देना और धक्का देना शुरू कर दिया। जब यह बहस चल ही रही थी, तभी शैलेश का छोटा भाई शैलेंद्र गुप्ता पीछे से आया और लकड़ी के बोर्ड से सागर के सिर पर जोर से मारा। इस भयानक हमले में सागर के सिर से बहुत खून बह गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शिवाजीनगर पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी शैलेश गुप्ता (23) और शैलेंद्र गुप्ता (21) के खिलाफ केस दर्ज किया।

मीटर से नहीं चलते आटो रिक्शा चालक!

- **उल्हासनगर में शेयरिंग रिक्शा का चलन**
- **अधिक किराया वसूलने के आरोप**

उल्हासनगर. शहर में 7,000 से रिक्शा हैं, जिनमें से 40 परसेंट अमराठी रिक्शा ड्राइवर हैं, जिसमें सिंधी रिक्शा ड्राइवर भी शामिल हैं। शिकायतें हैं कि रिक्शा ड्राइवर शहर के अलग-अलग हिस्सों, जैसे कल्याण, अंबरनाथ, बदलापुर, वगैरह में अगर लोग अकेले जाना चाहें, तो उनसे बहुत ज़्यादा रिक्शा किराया लेकर लूट रहे हैं।

उल्हासनगर एक इंडस्ट्रियल शहर है, इसलिए ज़्यादातर व्यापारी और इंडस्ट्रियलिस्ट पार्किंग और तंग सड़कों की वजह से अपनी कारों की जगह शेयरिंग रिक्शा का इस्तेमाल करते हैं। शहर में शहाड, विट्ठलवाड़ी और उल्हासनगर रेलवे स्टेशन हैं, और क्योंकि यहाँ मीटर वाले रिक्शा नहीं हैं, इसलिए शेयर्ड रिक्शा से सफ़र करना पड़ता है। अगर कोई अकेले रिक्शा से सफ़र करना चाहता है, तो रिक्शा वाले कस्टमर के हिसाब से बहुत ज़्यादा किराया लेते हैं।

हालाँकि शहर में ज़्यादातर सिंधी लोग रहते हैं, लेकिन 60 परसेंट रिक्शा ड्राइवर मराठी हैं। बाकी 40 परसेंट में सिंधी, नॉर्थ इंडियन रिक्शा ड्राइवर, बिहारी और साउथ इंडियन रिक्शा ड्राइवर शामिल हैं। यहाँ मराठी भाषा का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि रिक्शा ड्राइवर और लोग मराठी और हिंदी इस्तेमाल करते हैं। शहर में 60 परसेंट रिक्शा ड्राइवर मराठी हैं और दूसरी भाषाएँ बोलने वाले रिक्शा ड्राइवरों की संख्या 40 परसेंट है।

40 परसेंट अमराठी रिक्शा ड्राइवर

- ज़्यादातर नॉर्थ इंडियन और दूसरी भाषाएँ बोलने वाले मराठी बोलने की कोशिश करते हैं। उनमें से कुछ महाराष्ट्र में पैदा हुए और यहीं पढ़े-लिखे हैं, इसलिए वे अच्छी मराठी बोलते हैं। जिन्हें मराठी नहीं आती, उन्हें गुज़ारा करने के लिए मराठी सीखनी चाहिए। शहीद मारोती जाधव रिक्शा ड्राइवर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट शेखर यादव ने यह अपील की है।

पुलिस में शिकायत करने पर टेम्पो चालक पर हमला

- **टेम्पो पार्क करने को लेकर हुआ था विवाद**
- **हिललाईन पुलिस में मामला दर्ज**

उल्हासनगर. उल्हासनगर 5 स्थित कैलाश कॉलोनी चौक पर एक टेंपो ड्राइवर पर पुलिस स्टेशन में शिकायत करने पर गुस्सा होकर लकड़ी के डंडे से हमला करने की चौंकाने वाली घटना हुई है। इस हमले में अनिल चौहान नाम का एक युवक घायल हो गया।

अनिल चौहान ने कैलाश कॉलोनी चौक पर टेंपो पार्क करने को लेकर हुए झगड़े में आरोपी बलवीर बिराजदार और शेखर बिराजदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 28 अप्रैल को बलवीर बिराजदार और शेखर बिराजदार अपने साथियों के साथ अनिल चौहान के घर गए और उस पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया।

अब इस हमले में आरोपी बलवीर बिराजदार, शेखर बिराजदार, अजीत शेख, अजय राव और देवेंद्र नाइक के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

संपादकीय

उत्पादन पर ब्रेक

पिछले वर्ष विनिर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की जो लुभावनी तस्वीर दिखाई दे रही थी, वह इस साल पश्चिम एशिया में उपजे संकट की वजह से फीकी पड़ गई है। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.1 फीसद पर आ गई। इसका कारण विनिर्माण क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन को माना जा रहा है, जिसके पीछे अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष से उपजे हालात भी एक बड़ी वजह है।

होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से जहां तेल और गैस आपूर्ति की वैश्विक श्रृंखला बाधित हुई है, वहीं देश का निर्यात भी प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा है। गौरतलब है कि समग्र औद्योगिक उत्पादन में विनिर्माण क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी है और इसमें गिरावट देश के आर्थिक विकास की रफ्तार के लिए चिंताजनक है। अगर पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने में ज्यादा समय लगा, तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है।

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में बिजली उत्पादन लगभग स्थिर रहा, इसमें वृद्धि दर महज 0.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कम है। जाहिर है कि इससे भी समग्र औद्योगिक वृद्धि दर पर दबाव बढ़ा है। देश में एक ओर बढ़ती महंगाई की चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और अनिश्चितता के माहौल का असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है। यह स्वाभाविक है कि अगर देश में उत्पादन घटेगा, तो विकास की रफ्तार कमजोर पड़ती जाएगी।

इससे पहले अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए शुल्क की वजह से औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुआ संकट कब तक हल हो पाएगा, इस संबंध में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, इसलिए इसका असर दूरगामी न हो और देश में विकास की गति धीमी न पड़े, इसके लिए सरकार को वैकल्पिक उपायों पर ध्यान केंद्रित कर नए रास्ते तलाशने होंगे। अगर समय रहते इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में जो हालात पैदा होंगे, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

विमर्श वैश्विक समाधान में समर्थ यूपीआई

इस फरवरी में जब अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर हमला किया तो पश्चिम एशिया में हड़कंप मच गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे तथा स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद कर दिया। यह वह समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और अरबों डालर का व्यापार होता है। बैंकिंग के रास्ते धीमे पड़ गए, पैसे भेजना मुश्किल हो गया। 40 दिनों की भीषण लड़ाई के बाद दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन उसके विस्तार के बाद भी स्थिति नाज़ुक बनी हुई है। इस जंग ने दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को तहस नहस कर दिया। होर्मुज़ बंद होने से तेल के दाम आसमान छू गए। शिपिंग कंपनियां रास्ता बदलने पर मजबूर हो गईं और सबसे बड़ी तकलीफ यह रही कि भारत के लाखों मज़दूर जो यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब में काम करते हैं, उनके परिवारों तक पैसे भेजना मुश्किल हो गया। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गई।

यह पहला मौका नहीं है जब दुनिया ने देखा कि पैसों की व्यवस्था को हथियार बनाया जा सकता है। 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस को स्विफ्ट से बाहर कर दिया था। इस व्यवस्था के जरिए दुनिया के बैंक आपस में पैसे भेजते हैं। सीधे शब्दों में यह बैंकों का वाट्सएप है। रूस के स्विफ्ट से बाहर होने के बाद रूसी लोग दुनिया से कट गए। अब ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध हैं।

भारत ने यूपीआआई यानी

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को 2016 में तब शुरू किया था, जब दुनिया में इस तरह के संकटों की कल्पना भी मुश्किल थी। नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने यह व्यवस्था इसलिए बनाई थी, ताकि हर भारतीय को सस्ता, तेज़ और आसान डिजिटल भुगतान मिल सके। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यही यूपीआई एक दिन दुनिया के लिए स्विफ्ट का सबसे बड़ा निष्पक्ष विकल्प बन सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका- इज़राइल और ईरान की जंग ने यह साबित कर दिया कि भारत ने जो व्यवस्था अपने नागरिकों के लिए बनाई थी, वह आज पूरी दुनिया की जरूरत है। स्विफ्ट ने वादा किया था कि वह निष्पक्ष रहेगा, लेकिन राजनीति आई तो उसने पक्ष लिया। यूपीआई किसी के हाथ का हथियार नहीं और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूपीआई जिसे आप फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के ज़रिए रोज इस्तेमाल करते हैं, दुनिया की सबसे तेज़ और सबसे सस्ती भुगतान व्यवस्था है। अब यह देश की सीमाएं पार कर रही है। सिंगापुर, यूएई, फ्रांस और मारीशस जैसे कई देशों से यूपीआई का जुड़ाव हो चुका है।

भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा विदेशी पैसा मंगाने वाला देश है। हर साल करीब 11 लाख करोड़ रुपये भारतीय विदेश से अपने घर भेजते हैं। लंदन में बैठी नर्स, ह्यूस्टन का इंजीनियर, दुबई का दुकानदार सब अपने परिवार को पैसे भेजते हैं। पुराने तरीकों से पैसे भेजने में 6-7 प्रतिशत तक की फीस कट जाती है। यूपीआई के ज़रिए यह खर्च लगभग खत्म हो सकता है।

जब दुनिया में जंग हो तब पैसा रुकना नहीं चाहिए। यूपीआई यही सुनिश्चित करने का काम कर रहा है। अब सवाल उठता है कि क्या रूस या चीन ने भी ऐसा कुछ नहीं बनाया? बनाया तो, लेकिन दुनिया ने उन्हें नहीं अपनाया, क्योंकि भरोसा नहीं था। ईरान के खिलाफ युद्ध में यही देखा गया कि जो देश अमेरिका के निशाने पर हैं, उनकी भुगतान व्यवस्था दुनिया स्वीकार नहीं करती। भारत न किसी पर प्रतिबंध लगाता है और न किसी को धमकाता है। इसीलिए कई देश यूपीआई से जुड़ने को तैयार हैं। इस युद्ध ने एक और बात साफ कर दी कि दुनिया डालर पर निर्भरता कम करना चाहती है। भारत की रुपये आधारित यूपीआई सेटलमेंट इसका एक व्यावहारिक जवाब है।

कुछ लोग सोचते हैं कि अगर भारत अपनी यूपीआई तकनीक दूसरे देशों को दे रहा है तो वे इसे कापी कर लेंगे। यह सोच सही नहीं। तकनीक कापी हो सकती है, लेकिन नेटवर्क नहीं। जैसे वाट्सएप की तकनीक कोई भी बना सकता है लेकिन उसके करोड़ों उपयोगकर्ता कोई नहीं छीन सकता। यूपीआई का नेटवर्क, उसके करोड़ों उपयोगकर्ता और उसकी साख यही भारत की असली पूंजी है। आज भारत प्रोजेक्ट नेक्सस जैसी वैश्विक पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

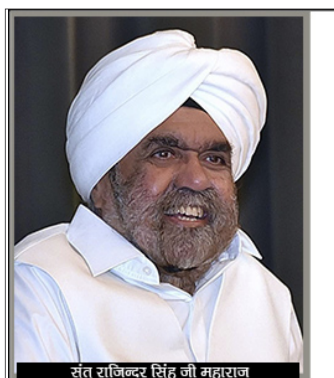

SAWAN KIRPAL RUHANI MISSION

हमारी प्रत्येक साँस अनमोल है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पंजाब में फिर सिर उठा रहा आतंकी साया

पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। साफ है कि उग्रवाद का दंश झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सांस लेने लगा है। अलग-अलग समूहों के जरिए सक्रिय आतंकी अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए मौके की तलाश में रहते हैं। इनके ठिकानों का पता लगाना और इनकी धर-पकड़ सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती है।

पटियाला में शंभू इलाके के पास सोमवार देर रात एक मालगाड़ी के गलियारे की पटरी पर विस्फोट की घटना से स्पष्ट है कि राज्य में आतंक का खतरा बढ़ रहा है। हालांकि, पुलिस ने इस आतंकी समूह से जुड़े चार संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर समय रहते स्थिति को नहीं संभाला गया, तो राज्य में हालात फिर से बिगड़ सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि पंजाब में सीमा पार से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन सवाल है कि आतंकी तंत्र को कैसे खत्म किया जाए।

गौरतलब है कि पटियाला में शंभू इलाके के पास आतंकियों ने रेल की पटरी को निशाना बनाकर विस्फोट किया था। घटनास्थल से एक संदिग्ध

व्यक्ति का शव भी बरामद किया गया और पुलिस का दावा है कि वह उसी आतंकी गिरोह का सदस्य था, जिसने इस वारदात की साजिश रची थी। पटरी पर विस्फोटक लगाने के दौरान हुए धमाके में उसकी मौत हो गई। पिछले तीन माह में मालगाड़ी के गलियारे को निशाना बनाकर किया गया यह दूसरा हमला था।

इससे पहले फतेहगढ़ साहिब जिले के सरहिंद में 23 जनवरी को विस्फोट हुआ था, जिसमें एक ट्रेन का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था और एक रेलवे अधिकारी को चोटें आईं थी। पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजेंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इसके करीब तीन माह बाद ग्रेनेड हमले की साजिश रच रहे दस संदिग्धों की धर-पकड़ की गई थी। हाल में मोहाली की एक अदालत और कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां दी गई थीं।

यह सच है कि पंजाब में पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों ने कई आतंकी गिरोहों का भंडाफोड़ किया है और जांच में सामने आया है कि उन्हें सीमा पार से तस्करी के जरिए हथियार और विस्फोटक पदार्थ मुहैया कराए जाते रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, पटियाला के शंभू इलाके में हुए विस्फोट में जिस आतंकी की मौत हुई, वह उस खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र का हिस्सा था, जिसे मलेशिया से संचालित किया जा रहा था। राज्य के एक राजनीतिक दल से उसके संबंधों की खबरें भी आई हैं, हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि अभी नहीं की गई है।

इस गिरोह के सदस्य कट्टरपंथी युवाओं को आतंकी प्रशिक्षण के लिए मलेशिया भेजते थे। यही नहीं, राज्य में सक्रिय कुछ आतंकियों के तार पाकिस्तान और कनाडा से भी जुड़े हैं। इससे स्पष्ट है कि उग्रवाद के खात्मे के बाद शांति और समृद्धि की राह पर लौटे पंजाब में आतंक का खतरा फिर से बढ़ता जा रहा है। राज्य में विपक्षी दलों की ओर से भी बार-बार यह मसला उठाया जाता रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इस खतरे से निपटने के लिए रणनीति बनानी होगी, ताकि आतंक की जड़ पर प्रहार किया जा सके।

क्या फोन को एयरप्लेन मोड पर न रखने से क्रैश हो सकता है प्लेन?

हवाई सफर के दौरान टेक-ऑफ से ठीक पहले जब फोन को एयरप्लेन मोड पर डालने या स्विच ऑफ

जरा हट के

करने का निर्देश मिलता है, तो अक्सर हमारे मन में कई सवाल उठते हैं। हम सोचते हैं कि भला एक मामूली-सा फोन इतने बड़े जहाज का क्या बिगाड़ लेगा?

क्या भूल से फोन ऑन रह जाने पर प्लेन हवा में क्रैश हो सकता है? अगर आपके दिमाग में भी अक्सर यही उलझन रहती है, तो आज हम इसे सुलझाने वाले हैं। आइए आसान भाषा में समझते हैं इसके पीछे की असल साइंस और जानते हैं कि फ्लाइट में एयरप्लेन मोड का असली काम क्या होता है।

हवाई जहाज पूरी तरह से रेडियो कम्युनिकेशंस और नेविगेशन सिस्टम पर निर्भर होते हैं। पायलट जमीन पर स्थित एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लगातार कॉन्टेक्ट में रहते हैं ताकि उन्हें रास्ता, मौसम और ऊंचाई की जानकारी मिलती रहे। जब

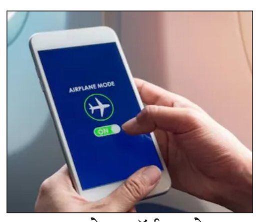

आपका फोन नॉर्मल मोड पर होता है, तो वह लगातार नजदीकी सेलुलर टावर से जुड़ने के लिए सिग्नल भेजता है। जैसे-जैसे विमान ऊंचाई पर जाता है, आपका फोन टावर से दूर होने लगता है और कनेक्शन बनाए रखने के लिए वह अपने सिग्नल भेजता रहता है। इसके कारण पायलेट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच कम्युनिकेशन में बाधा डाल सकता है।

आपके फोन के सिग्नल से विमान गिर तो नहीं जाएगा, लेकिन यह पायलटों के लिए काफी झुंझलाहट और समस्या पैदा कर सकता है। जब कई यात्री एक साथ फोन ऑन रखते हैं, तो उनके फोन से निकलने वाली रेडियो वेव पायलट के हेडफोन में एक तेज गूंज या क्लिक-क्लिक जैसी आवाज पैदा करती हैं।

अगर पायलट को ATC से कोई जरूरी निर्देश मिल रहा हो और उसी समय यह शोर हो, तो कम्युनिकेशन में बाधा आ सकती है, जो सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है।

विमान में कई ऐसे उपकरण होते हैं जो रेडियो वेव्स के जरिए ही जमीन से अपनी दूरी और दिशा मापते हैं। हालांकि, आधुनिक विमानों को इन सिग्नलों से बचने के लिए शील्ड किया जाता है, फिर भी सुरक्षा मानकों के तहत कोई भी रिस्क लेना सही नहीं माना जाता।

'आलू का अचार'

खाना-खजाना

गरमा-गरम चावल-दाल भारतीय घरों का वह कम्फर्ट फूड है, जिसे खाकर सिर्फ पेट ही नहीं, बल्कि आत्मा भी तृप्त हो जाती है। लेकिन सोचिए, इस सादे और सुकून भरे खाने के साथ अगर थाली के किनारे थोड़ा सा तीखा और चटपटा आलू का अचार परोस दिया जाए, तो स्वाद कैसा होगा? सरसों के तीखेपन और मसालों के चटकारे वाला यह अचार आपके साधारण से खाने का मजा पल भर में दोगुना कर देता है।

सामग्री

- उबले हुए आलू- 4-5 मध्यम आकार के
- सरसों का तेल- 3-4 बड़े चम्मच
- मेथी दाना- 1/2 छोटा चम्मच
- हरी मिर्च- 3-4 (बीच से चीरा लगा हुआ)
- हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- नींबू का रस- 2 बड़े चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- हरा धनिया- बारीक कटा हुआ (सजावट के लिए)

बनाने की विधि

सबसे पहले आलू को उबाल लें। ध्यान रखें कि आलू इतने न गलें कि वे मैश होने लगें। उबालने के बाद उन्हें छीलकर मध्यम आकार के क्यूब्स में काट लें और एक बड़े बाउल में निकाल लें।

अब आलू में नमक, लाल मिर्च पाउडर और नींबू का रस डालें। अगर आपको खट्टा ज्यादा पसंद है, तो आप थोड़ा अमचूर पाउडर भी डाल सकते हैं।

एक छोटी कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। जब तेल से धुआं निकलने लगे, तो आंच धीमी कर दें और इसमें मेथी दाना डालें। जब मेथी काली पड़ने लगे, तो इसमें कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर डालें। इस गर्म तड़के को तुरंत आलू के मिश्रण पर डालें।

चम्मच की मदद से आलू और मसालों को अच्छी तरह मिलाएं ताकि हर टुकड़े पर मसालों की परत चढ़ जाए। लास्ट में बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर सजाएं।

सुबह के 60 मिनट तय करते हैं आपकी सेहत का हाल!

आंख खुलते ही करें 3 काम और इन चीजों से रहें दूर

सुबह आंख खुलते ही आप सबसे पहले क्या करते हैं? इस एक सवाल का जवाब आपके पूरे दिन का मूड, एनर्जी लेवल और मेंटल हेल्थ तय कर सकता है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार के अनुसार, जागने के बाद के शुरुआती 60 मिनट आपके दिनभर की नींव रखते हैं।

अगर इस गोल्डन आवर का सही इस्तेमाल किया जाए, तो न सिर्फ आपका फोकस बढ़ता है, बल्कि पूरी सेहत दुरुस्त रहती है। आइए जानते हैं कि सुबह के पहले घंटे में आपको कौन सी आदतें अपनानी चाहिए और किन गलतियों से बचना चाहिए।

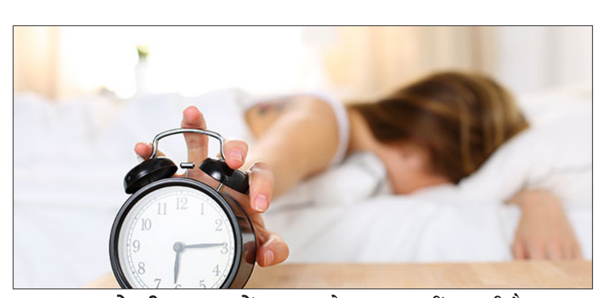

सुबह उठते ही क्या करें?

धूप में जाएं- डॉ. कुमार के अनुसार, सोकर उठने के 30 से 60 मिनट के भीतर बाहर जाना और धूप लेना सबसे जरूरी है। सूरज की रोशनी हमारे शरीर में कोर्टिसोल के रिलीज को एक्टिव करती है, जो हमें अलर्ट बनाता है। साथ ही, यह शाम को बनने वाले मेलाटोनिन हार्मोन के लिए एक काउंटडाउन टाइमर सेट कर देता है, जिससे रात को समय पर नींद आती है।

तुरंत हाइड्रेशन- पूरी रात की नींद के दौरान हमारा शरीर पानी की कमी महसूस करने लगता है। इसलिए, जागने के बाद सबसे पहले पानी पीना चाहिए। यह मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करने और शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग- सुबह उठते ही बहुत भारी वर्कआउट के बजाय ब्रिस्क वॉकिंग और स्ट्रेचिंग करें। यह शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे आप पूरे दिन ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं।

किन गलतियों से बचें?

- तुरंत चाय या कॉफी न पिएं- ज्यादातर लोग आंख खुलते ही बेड टी या कॉफी के शौकीन होते हैं, लेकिन डॉ. कुमार इसे टालने की सलाह देते हैं। जागने के तुरंत बाद कैफीन लेना शरीर के प्राकृतिक हार्मोनल संतुलन में बाधा डाल सकता है।
- सोशल मीडिया और ईमेल से दूरी- सुबह-सुबह फोन उठाकर ईमेल चेक करना या सोशल मीडिया स्क्रॉल करना तनाव पैदा कर सकता है। यह आपके दिमाग को सूचनाओं के बोझ तले दबा देता है और फोकस को प्रभावित करता है।
- स्नूज बटन का इस्तेमाल न करें- अलार्म बजने पर उसे 10 मिनट के लिए स्नूज करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। जब आप दोबारा 10 मिनट के लिए सोते हैं, तो आपका दिमाग एक नया स्लीप साइकिल शुरू कर देता है जिसे वह पूरा नहीं कर पाता। इससे उठने के बाद आप ज्यादा थकान और आलस महसूस करते हैं।
- **शुगरी सीरियल्स न खाएं-** अपने दिन की शुरुआत ज्यादा चीनी वाले अनाज या प्रोसेस्ड फूड से न करें। यह शुगर लेवल को अचानक बढ़ा देता है, जिसके बाद दिन के एनर्जी का स्तर तेजी से गिर सकता है।

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ : कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। दिन की शुभता का लाभ मिलेगा। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन : पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क : किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें। कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या : आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

तुला : किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक : यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

धनु : आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें।

मकर : रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दु:ख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। उच्चाधिकारी का ध्यान खुद की तरफ खींच पाएंगे।

कुंभ : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। राजकीय अवरोध दूर होंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उम्र के साथ कमजोर नहीं, बल्कि और स्मार्ट होता है आपका दिमाग!

अक्सर यह माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर और दिमाग दोनों थकने लगते हैं, लेकिन विज्ञान की दुनिया से एक बेहद दिलचस्प और सकारात्मक खबर आई है। हाल ही में हुए एक शोध ने इस धारणा को चुनौती दी है कि समय के साथ दिमाग केवल कमजोर होता है।

शोध के अनुसार, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे दिमाग का 'याददाश्त केंद्र' यानी हिप्पोकैंपस पहले से कहीं ज्यादा ऑर्गेनाइज्ड और एफिशिएंट हो जाता है।

क्या है हिप्पोकैंपस और इसका काम?

हिप्पोकैंपस दिमाग का वह अहम हिस्सा है जिसे यादों का केंद्र कहा जाता है। इसका मुख्य फंक्शन शॉर्ट टर्म मेमोरी को लॉन्ग टर्म मेमोरी में बदलना है। यही वह हिस्सा है जो हमें नई जगह पहचानने, अनुभवों को सहेजने और उनसे सीखने में मदद करता है। इसके बिना हमारे लिए किसी भी अनुभव को याद रखना नामुमकिन होगा।

शोध में क्या आया सामने?

नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में पब्लिश इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चूहों के दिमाग के विकास का तीन चरणों में अध्ययन किया- जन्म के तुरंत बाद, किशोरावस्था और वयस्क होने पर। शोधकर्ताओं ने पाया कि हिप्पोकैंपस में मौजूद न्यूरॉन नेटवर्क, जिन्हें 'सीए 3' पिरामिडल न्यूरॉन्स कहा जाता है, समय के साथ एक खास बदलाव से गुजरते हैं।

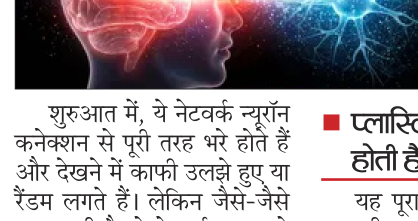

शुरुआत में, ये नेटवर्क न्यूरॉन कनेक्शन से पूरी तरह भरे होते हैं और देखने में काफी उलझे हुए या रैंडम लगते हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, ये नेटवर्क कम घने होते जाते हैं।

पूनिंग मॉडल- कम न्यूरॉन्स में ज्यादा कुशलता

मुख्य शोधकर्ता पीटर जोनास के अनुसार, आमतौर पर लोग उम्मीद करते हैं कि विकास के साथ नेटवर्क ज्यादा घना और बड़ा होगा। लेकिन यहां बिल्कुल उल्टा देखने को मिला। इसे प्रूनिंग मॉडल कहा जाता है।

जिस तरह एक माली किसी पौधे को सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए उसकी फालतू टहनियों की काट-छांट करता है, ठीक उसी तरह हमारा दिमाग भी बढ़ती उम्र के साथ अपने न्यूरल कनेक्शन की काट-छांट करता है। यह प्रक्रिया नेटवर्क को कम घना लेकिन ज्यादा व्यवस्थित बनाती है। इसका नतीजा यह होता है कि दिमाग सूचनाओं को ज्यादा बेहतर तरीके से प्रोसेस करने लगता है।

प्लास्टिसिटी से यादें होती हैं मजबूत

यह पूरा नेटवर्क प्लास्टिसिटी नाम की एक खास प्रक्रिया के जरिए काम करता है। इसी प्रक्रिया के कारण हमारा दिमाग यादों को सहेजने और जरूरत पड़ने पर उन्हें वापस याद करने में सक्षम हो पाता है। कुल मिलाकर बात यह है कि वयस्क दिमाग का नेटवर्क भले ही जन्म के समय जितना घना न हो, लेकिन वह सूचनाओं को व्यवस्थित करने में कहीं ज्यादा स्मार्ट और तेज होता है।

होलिस्टिक स्किन केयर?

आसान शब्दों में कहें तो, होलिस्टिक स्किनकेयर का मतलब है त्वचा की देखभाल को सिर्फ़ अलग से न देखना, बल्कि इसे पूरे शरीर, मन और आत्मा के स्वास्थ्य के साथ जोड़कर देखना. हालांकि इसमें त्वचा पर लगाने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल शामिल होता है, लेकिन इससे कहीं ज्यादा ज़ोर अंदरूनी कारकों के सही प्रबंधन पर दिया जाता है.

सही पोषण और खान-पान

होलिस्टिक केयर में आपकी रसोई ही आपका सबसे असरदार ब्यूटी क्लिनिक है. दमकती त्वचा के लिए, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन C और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर आहार ज़रूरी है. जब आप ताज़े फल, हरी सब्ज़ियां और मेवे खाते हैं, तो आपकी त्वचा अंदर से तरोताज़ा हो जाती है. यह तरीका इस सोच पर आधारित है कि "आप जो खाते हैं, वह आपकी त्वचा पर झलकता है."

गहरी नींद

नींद सिर्फ़ आराम के लिए नहीं होती, बल्कि, यह असल में त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत का सबसे असरदार तरीका है. रात 10:00 बजे से सुबह 4:00 बजे के बीच, शरीर में मेलाटोनिन और ग्रोथ हार्मोन का स्तर अपने चरम पर होता है, जिससे त्वचा की मरम्मत और कोलेजन का उत्पादन बढ़ जाता है. पूरी नींद न लेने से सीधे तौर पर आंखों के नीचे काले घेरे और बेजान त्वचा की समस्या होती है.

मानसिक शांति और तनाव

तनाव हमारे शरीर में 'कोर्टिसोल' नामक हार्मोन का स्तर बढ़ा देता है, जो मुहांसों और झुर्रियों का एक मुख्य कारण है. समग्र त्वचा देखभाल में ध्यान और फेशियल योग जैसी पद्धतियां शामिल होती हैं. यह मानसिक शांति त्वचा में रक्त संचार को बेहतर बनाकर एक प्राकृतिक चमक लाती है. होलिस्टिक स्किन केयर हमें सिखाती है कि संसाधनों का सही उपयोग ही स्थायी सुंदरता की कुंजी है. जब आप सही क्रीम का चुनाव करते हैं और उसके साथ सही खान-पान, पर्याप्त पानी और 7-8 घंटे की नींद का तालमेल बिठाते हैं, तो परिणाम न केवल जादुई होते हैं बल्कि लंबे समय तक टिकने वाले भी होते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

डिजिटल अरेस्ट में फंसी विवाहिता ने की खुदकुशी

बिजनौर. यूपी के बिजनौर में एक साइबर अपराध का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। डिजिटल अरेस्ट और लगातार ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव फरीदपुर भोगी निवासी 28 वर्षीय विवाहिता मोनिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक कदम उसने अपनी शादी की सालगिरह से ठीक एक दिन पहले उठाया। मृतका की डायरी से डेढ़ पन्ने का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने एक युवक द्वारा लंबे समय से परेशान किए जाने और ब्लैकमेलिंग का जिक्र किया है। उसने अपने पति से माफी मांगते हुए लिखा कि वह उनसे झूठ नहीं बोल सकती, लेकिन अब बहुत दबाव में है। साथ ही बच्चों का ध्यान रखने की बात भी लिखी। नोट में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी उसे लगातार धमका रहा था।

बारात में डीजे की तेज आवाज से 140 मुर्गियों की मौत, पोल्ट्री फॉर्म मालिक ने करवाई FIR

सुलतानपुर. उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले से चौंकाने वाली घटना सामने आई है, यहां बारात में बज रहे तेज डीजे की वजह से पास स्थित एक पोल्ट्री फार्म में 140 मुर्गियों की मौत हो गई। एक पोल्ट्री फॉर्म मालिक ने शादी समारोह में डीजे के तेज शोर से अपनी 140 मुर्गियों की मौत होने का दावा करते हुए इस संबंध में मुकदम दर्ज कराया है। पुलिस ने डीजे संचालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद अब पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी पोल्ट्री फार्म संचालक साबिर ने आरोप लगाया है कि 25 अप्रैल की रात बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की बारात जब उसके फार्म के पास से गुजरी, तो उसमें बज रहे डीजे की अत्यधिक तेज आवाज के कारण फार्म में पाली जा रही 140 मुर्गियों की मौत हो गई। साबिर का आरोप है कि डीजे का शोर इतना अधिक था कि मुर्गियां दहशत में आ गईं, जिससे उनकी जान चली गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

- केंद्र से कहा- कानून में बदलाव करें
- अभी 24 हफ्ते तक गर्भपात का नियम

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने 15 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने केंद्र से कहा कि ऐसे मामलों में अबॉर्शन के लिए टाइम लिमिट से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहिए।।

CJI ने कहा, 'कानून ऐसा होना चाहिए, जो समय के साथ बदलता रहे और मौजूदा हालात के अनुसार चले। नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में फैसला पीड़ित का ही होना चाहिए।'

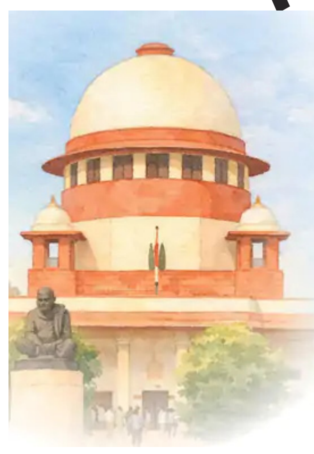

"बच्ची ने रेप के बाद जो दर्द झेला, उसकी भरपाई किसी चीज से नहीं हो सकती।
सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को करीब सात महीने प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। इसके खिलाफ AIIMS ने याचिका लगाई थी। क्योंकि अभी भारत का कानून रेप मामलों में 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी में ही अबॉर्शन की इजाजत देता है।

AIIMS ने कहा था- नाबालिग शायद फिर कभी मां न बन पाए

15 साल की लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के कारण प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (MPT Act) में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती।

AIIMS ने कोर्ट से कहा था कि 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में भ्रूण एक जीव का आकार ले चुका होता है और इस स्टेज पर अबॉर्शन सफल नहीं हो सकता। डॉक्टरों ने यह भी कहा कि अबॉर्शन से नाबालिग मां को भी खतरा है। वह भविष्य में शायद फिर कभी मां नहीं बन पाएगी।

AIIMS की दलील पर कोर्ट ने कहा- आपका सारा ध्यान सिर्फ बच्चे (भ्रूण) पर है, उस मां पर नहीं जिसने इतना दर्द सहा है। यह चाइल्ड रेप का मामला है। पीड़ित को जिंदगीभर का दर्द और ट्रॉमा झेलना पड़ेगा। अब यह भ्रूण बनाम नाबालिग बच्ची की लड़ाई है।

एक साथ जलीं 16 चिताएं

- एक चिता पर चार महिलाएं
- 100 की रफ्तार में पिकअप का टायर फटा था
- DIG बोले- ओवर स्पीड बनी वजह

धार. मध्य प्रदेश के धार में बुधवार रात हुए पिकअप हादसे में नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हो गई। सभी का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह किया गया। 4 महिलाओं के शवों को एक ही चिता पर रखा गया।

अपनों को खोने वाले परिजन का बुरा हाल है। कोई पत्नी की तस्वीर हाथ में लेकर बैठा है तो कोई उनके कपड़े एकटक देख रहा है। रिश्तेदारों की आंखें भी नम हैं। पूरे गांव में मातम छाया है।

बता दें कि बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे 46 मजदूरों से भरा पिकअप वाहन टायर फटने से डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया था। वाहन ने 3-4 बार पलटी खाई। फिर सड़क के रॉन्ग साइड जाकर स्कॉर्पियो से टकराया था। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, 30 घायल हैं। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं।

एक्सीडेंट इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के चिकलिया फाटा पर जियो पेट्रोल पंप के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा रही होगी।

राजनाथ बोले- ऑपरेशन सिंदूर अपनी मर्जी से रोका,न्यूक्लियर हमले से नहीं डरे

भारत IT का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है।

राजनाथ ने कहा- भारत आज इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) के लिए जाना जाता है जबकि पाकिस्तान को 'IT यानी इंटरनेशनल टेररिज्म' का केंद्र माना जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर में 9 आतंकी ठिकाने तबाह

रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ऑपरेशन 7 मई 2025 को शुरू हुआ था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और PoJK में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान में 9 बड़े लॉन्चपैड नष्ट किए गए थे और 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया।

राजनाथ बोले- आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा

- सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक टर्निंग पॉइंट था, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत अब सिर्फ बयान देने वाला देश नहीं है, बल्कि सीधे कार्रवाई करता है।
- रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की नीति साफ है। देश में किसी भी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सख्त और सीधी कार्रवाई की जाएगी।
- आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा और राजनीतिक समर्थन में होती है। इसे खत्म किए बिना आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता।

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

- जरूरत पड़ने पर हवा में टारगेट बदला जा सकता है
- DRDO-नेवी का सफल परीक्षण

नई दिल्ली. DRDO और नौसेना ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया।

इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है।

ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-

ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी।

जहाज को ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला वार

मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है। मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है। साथ ही टारगेट पहचानने, रास्ता तय करने और ऊंचाई बनाए रखने के लिए कई तकनीकें जोड़ी गई हैं।

मिसाइल में ऐसा सिस्टम है, जिससे उड़ते वक्त भी उसे नई जानकारी दी जा सकती है। जरूरत पड़ने पर दिशा बदली जा सकती है।

इस मिसाइल को DRDO की अलग-अलग लैब्स और भारतीय उद्योगों ने मिलकर तैयार किया है। अब इसका उत्पादन भी देश में ही किया जा रहा है।

चलती कार में आग, 5 जिंदा जले

अलवर. अलवर के मौजपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर चलती कार में आग लग गई। हादसे में 5 लोग जिंदा जल गए। रेस्क्यू टीम को आग बुझाने के बाद अर्टिगा कार में से केवल हड्डियां मिलीं हैं। कार ड्राइवर आग लगते ही बाहर कूद गया था।

उसे गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया है। कार सवार परिवार श्योपुर (मध्य प्रदेश) के चैनपुरा के रहने वाला था। परिवार मन्नत पूरी होने पर वैष्णो देवी दर्शन कर लौट रहा था।

पुलिस को आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। एक्सीडेंट बुधवार रात 11 बजे हुआ।

पोटलियों में रखी हड्डियां, मृतकों में 2 नाबालिग

जानकारी के अनुसार हादसे में चैनपुरा के रहने वाले संतोष (35), पत्नी शशि (30), सास पार्वती (55) और दो नाबालिगों की मौत हुई है। परिवार पार्वती की बीमारी ठीक होने पर मन्नत पूरी करने वैष्णो देवी गया था। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी में सभी की केवल हड्डियां मिलीं हैं, इन्हें अलग-अलग पोटलियों में रखा गया है। शवों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिए जाएंगे।

दूल्हे के सामने बॉयफ्रेंड के गले में डाली वरमाला

छिंदवाड़ा. छिंदवाड़ा में वरमाला की रस्म के बीच प्रेमी पहुंचा तो दुल्हन ने स्टेज से दौड़ लगा दी। दूल्हे को छोड़कर प्रेमी के गले में माला डाल दी। मामला उमरेठ में 27-28 अप्रैल की दरमियानी रात का है। मंगलवार को वर पक्ष ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। गुरुवार को दुल्हन के स्टेज से भागने का वीडियो भी सामने आ गया।

भलावी परिवार का दूल्हा सात फेरे लेने परासिया से मुजावर गांव पहुंचा था। यहां बारात का स्वागत हुआ, आतिशबाजी की गई।

इसी बीच दूल्हा स्टेज पर पहुंचा। वरमाला की रस्म की तैयारी होने लगी। कुछ देर में दुल्हन भी स्टेज पर आई। वरमाला हाथ में लेकर इधर-उधर देखा, फिर स्टेज से दौड़ लगा दी। वह पांडाल में मौजूद अपने प्रेमी के पास पहुंची और उससे लिपट गई। उसके गले में माला डाल दी।

हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में अश्लील वीडियो चला

- स्क्रीन पर दिखा 'हैक' का मैसेज
- गाने भी बजे, चीफ जस्टिस को बंद करनी पड़ी सुनवाई

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को लाइव वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो और म्यूजिक चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी।

दोपहर करीब 12:56 बजे सुनवाई के दौरान अचानक पोर्न वीडियो चलने लगा। इसके तुरंत बाद सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, तो 'Sh**t Singh' नाम से लॉगिन करने वाले यूजर ने फिर पोर्न वीडियो चला दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान वीडियो दो बार स्क्रीन पर दिखाई दिया।

हैक होने का मैसेज

इसके बाद उसी यूजर ने 'आपका सिस्टम हैक हो गया है', का मैसेज स्क्रीन पर दिखाना शुरू कर दिया। फिर तीसरी बार उसने म्यूजिक चलाकर सुनवाई में बाधा डाली। इसके बाद चीफ जस्टिस को वर्चुअल कार्यवाही बंद करनी पड़ी। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट को दी गई है, जो इसकी जांच कर रही है।

अमेरिका कर सकता है ईरान पर 'आखिरी प्रहार'

ईरान के साथ जारी गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप एक बार फिर से तेहरान पर हमले की योजना बना रहे हैं। इस तरह का दावा मीडिया रिपोर्ट्स में किया जा रहा है। हालांकि दोनों देश अनिश्चितकालीन संघर्ष विराम के लिए सहमति जता चुके हैं।

Axios ने बुधवार को अनाम सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए एक नई योजना तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को CENTCOM कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ट्रंप को नई योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे।

ट्रंप उठा सकते हैं ये कदम

ऐसे में यह संकेत मिलता है कि ट्रंप या तो शांति वार्ता में आई रुकावट को तोड़ने के लिए या फिर युद्ध खत्म करने से पहले आखिरी प्रहार करने के लिए ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं।

CENTCOM का प्लान क्या है?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ऐसी योजना पर विचार कर रहा है जिसके तहत ईरान पर छोटे और जोरदार हमलों की एक लहर शुरू की जा सके। इसमें बुनियादी ढांचे से जुड़े बड़े टारगेट भी शामिल होंगे। अमेरिका को उम्मीद है कि इसके बाद तेहरान में मौजूद इस्लामी शासन बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर हो जाएगा।

अमेरिकी सेना को उम्मीद है कि जब बमों की बारिश होगी तो शांति की शर्तों पर बातचीत करते समय इस्लामी गणराज्य परमाणु मुद्दे पर शायद ज्यादा लचीला रुख अपनाएगा। ट्रंप ने पहले ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को तबाह करने की धमकी दी है।

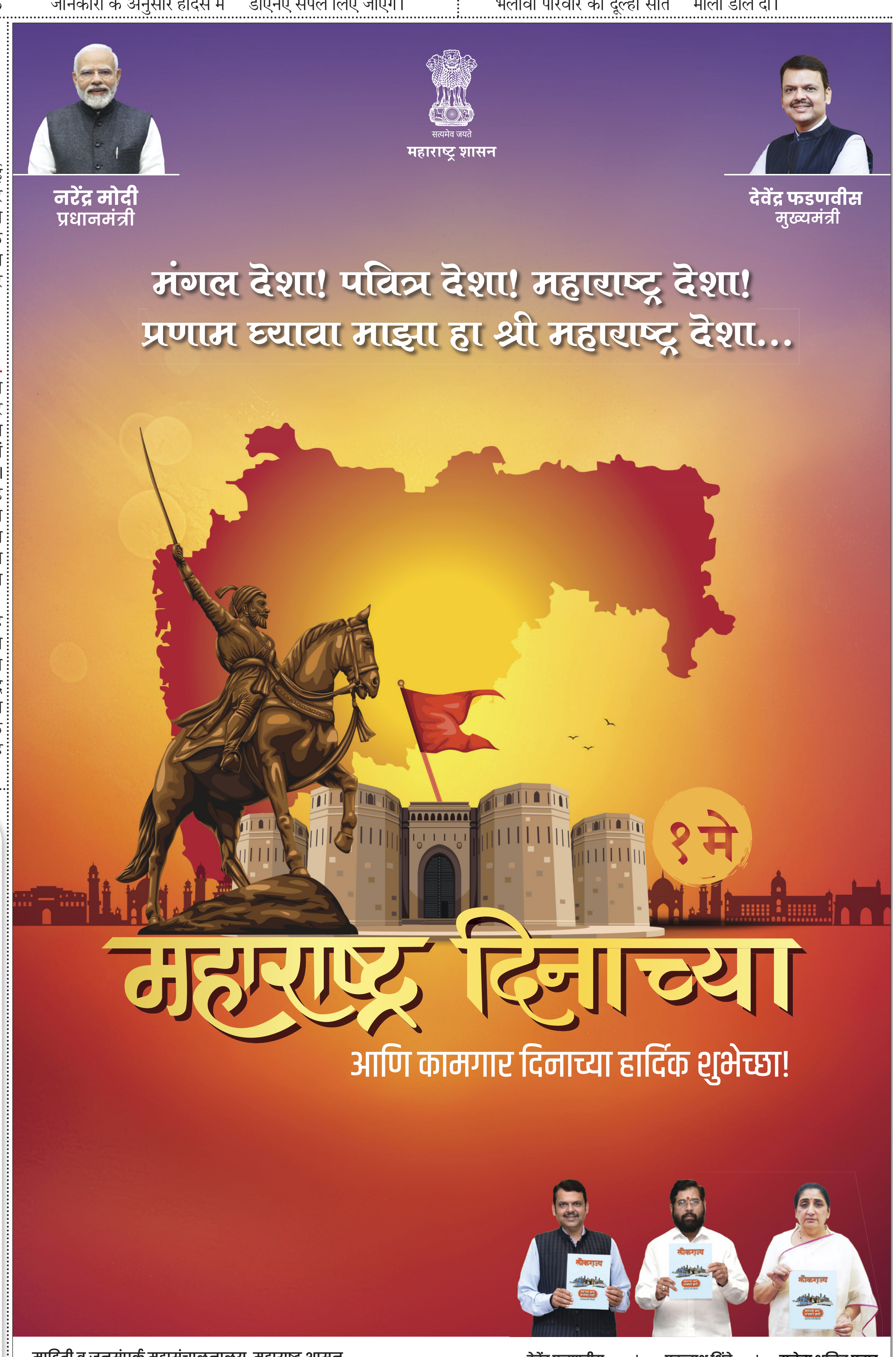

'IPL क्रिकेट नहीं बिजनेस है'

सनराइजर्स हैदराबाद के कोच मुथैया मुरलीधरन ने लीग पर सवाल खड़े करके किया हैरान

आईपीएल 2026 में बड़े स्कोर का आसानी से पीछा हो रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब किंग्स ने 265 रनों के विशाल स्कोर को चेज किया। इसके बाद बुधवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 244 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। ऐसे मैचों को देखने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने आईपीएल को बिजनेस बताया है।

मुरलीधरन का मानना है कि आईपीएल में मनोरंजन होता है और इसे क्रिकेट के विस्तार के लिए नहीं बल्कि बिजनेस के नजरिए से देखा जाना चाहिए। उन्होंने आईपीएल में इतने बड़े स्कोर का बनना और उसका सफलतापूर्वक पीछा करने की वजह इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी माना। पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज का कहना है कि आज के दर्शक मनोरंजन चाहते हैं और अगर हम विकेट गेंदबाजों की मदद वाला बना दें, तो वे उस मैच को बोरिंग करार देते हैं।

मुथैया मुरलीधन ने दिया बड़ा बयान

मुंबई और हैदराबाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए मुरलीधरन ने कहा, ₹मुझे लगता है कि इस तरह के बड़े स्कोर की वजह विकेट ही है। बाउंड्री साइज भी काफी छोटी है और इस वजह से गेंदबाजों को काफी मुश्किल हो रही है। हम अच्छे विकेट भी दे सकते हैं लेकिन फिर दर्शक कहेंगे

कि ये बोरिंग मैच है।₹

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी महान स्पिनर ने दोषी ठहराया। उनका कहना है कि बल्लेबाज अब शुरुआत में कम जोखिम लेने की बजाय आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने की वजह से बल्लेबाजी लाइनअप को अधिक मजबूती मिली है। उनका मानना है कि इससे अगर टीम की खराब शुरुआत भी होती है, तो वे अटैकिंग क्रिकेट खेलना जारी रखते हैं। उनके पास एक विकल्प होता है कि अतिरिक्त बल्लेबाज मौजूद है।

मुरलीधरन ने IPL को बताया बिजनेस

पूर्व श्रीलंकाई खिलाड़ी ने आगे कहा, ₹आज के समय में दर्शक मनोरंजन को बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण देते हैं। वे चौके-छक्के देखना चाहते हैं। इसी वजह से इस टूर्नामेंट को इस तरह से तैयार किया गया है। अतिरिक्त बल्लेबाजों को बल्लेबाजी का मौका मिलता है और टीमों को कम स्कोर पर आउट नहीं होने दिया जाता है। ये मनोरंजन का साधन है। ये क्रिकेट के विकास के बारे में नहीं है। इसे इस समय का सबसे बड़ा बिजनेस कह सकते हैं।₹

संक्षेप...

आज से शुरू होगा मिसिंग लिंक

मुंबई. मुंबई और पुणे के बीच यात्रा करने वालों के लिए बड़ी राहत की खबर है. मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर लंबे समय से बनने के इंतजार 'मिसिंग लिंक' प्रोजेक्ट अब 1 मई से शुरू होने जा रहा है. इसके शुरू होते ही इस नए रूट पर धीरे-धीरे ट्रैफिक चालू किया जाएगा. इस प्रोजेक्ट का मकसद यात्रा का समय कम करना और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना है. राज्य परिवहन विभाग ने इस रूट के इस्तेमाल को लेकर नियम और शर्तें भी जारी कर दी हैं. शुरुआती चरण में, यानी 1 मई से 31 अक्टूबर तक, इस मार्ग पर सिर्फ हल्के वाहन, बसें और यात्री वाहन ही चल सकेंगे. इस दौरान ट्रैफिक, सुरक्षा और संचालन की पूरी निगरानी की जाएगी. इसके बाद 1 नवंबर से, समीक्षा के आधार पर, मालवाहक वाहनों को भी अनुमति दी जा सकती है. हालांकि, ज्वलनशील, विस्फोटक या अन्य खतरनाक सामान ले जाने वाले वाहनों को इस प्रोजेक्ट के टनल से गुजरने की अनुमति नहीं होगी.

विप चुनाव : एकनाथ शिंदे ने किया उम्मीदवारों का ऐलान

मुंबई. महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना ने अगले महीने होने वाले राज्य विधान परिषद चुनाव के लिए वर्तमान विधान पार्षद डॉ. नीलम गोरे और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए पूर्व विधायक बच्चू कडू को अपना उम्मीदवार बनाया. गोरे वर्तमान में विधान परिषद की उपसभापति हैं. उनका कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो रहा है.

दरअसल, प्रहार जनशक्ति पक्ष (पीजेपी) के प्रमुख कडू यहां उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हो गए. इसके तुरंत बाद परिषद चुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी गई. शिंदे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी ने गोरे और कडू को जन सेवा के उनके लंबे अनुभव को देखते हुए उम्मीदवार बनाया है.

उन्होंने कहा कि डॉ. गोरे और बच्चू कडू दोनों के पास सामाजिक कार्य का व्यापक अनुभव है और वे

■ 13 मई को खत्म हो रहा कार्यकाल

लगातार जनता के मुद्दे उठाते रहे हैं. इसलिए हमने उन्हें शिवसेना के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा है.

बता दें कि शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित नौ विधान पार्षद 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं. इन नौ सीटों और एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 12 मई को होगा. नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा गुरुवार दोपहर तक है.

■ बच्चू कडू ने 1999 में छोड़ दी थी शिवसेना

गौरतलब है कि कडू ने 1999 में तत्कालीन अविभाजित शिवसेना छोड़ दी थी और विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले में पीजेपी की स्थापना की थी.

उन्होंने चार बार विधानसभा चुनाव जीता, लेकिन 2024 के चुनाव में हार गए. कडू ने कहा कि उनका राजनीतिक सफर शिवसेना से ही शुरू हुआ था इसलिए उनकी वापसी को नया नहीं माना जाना चाहिए. उन्होंने कहा मैं पार्टी के लिए नया नहीं हूं, बल्कि एक अंतराल के बाद वापस लौटा हूं.

यूबीटी ने किसे दिया टिकट?

विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन केवल एक सीट जीतने की स्थिति में है. शिवसेना यूबीटी के विधायक आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि अंबादास दानवे उनकी पार्टी के उम्मीदवार होंगे.

बीजेपी के उम्मीदवार

शिवसेना की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी ने परिषद चुनाव के लिए प्रमोद जठार, सुनील विनायक कर्जतकर, माधवी नाइक, संजय नत्थूजी भेंडे और विवेक बिपिन दादा कोल्हे को उम्मीदवार बनाया है. इसके अलावा, कांग्रेस विधान पार्षद के रूप में इस्तीफा देने के कारण खाली हुई एक सीट के उपचुनाव के लिए बीजेपी ने प्रज्ञा राजीव सातव को मैदान में उतारा है.

मर्डर मिस्ट्री सुलझी : दोस्त ही निकला हत्यारा

ठाणे. ठाणे जिले में एक सनसनीखेज हत्या मामले का पुलिस ने अनोखे तरीके से खुलासा किया है। इस केस को सुलझाने में पुलिस डॉग 'बेली' की अहम भूमिका रही, जिसकी मदद से एक शातिर आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, डॉग स्क्वॉड के कुत्ते 'बेली' ने घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर जांच टीम को खडावली रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया। यहीं से पुलिस को केस की कड़ी जोड़ने में सफलता मिली और जांच आगे बढ़ाई गई।

जांच के दौरान पुलिस ने खडावली से लेकर मुंबई तक करीब 100-150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 80 से अधिक लापता लोगों के रिकॉर्ड की जांच की। इसके बाद पुलिस की नजर आरोपी योगेश एकनाथ राणे पर गई, जो भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपनी पहचान छिपाने के लिए बार-बार रास्ता बदलता था।

आखिरकार पुलिस ने आरोपी को लोअर परेल इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी एक सीरियल अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी हत्या और हत्या के प्रयास जैसे मामले दर्ज हैं।

RTE - डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और एडमिशन की तारीख बढ़ाई गई

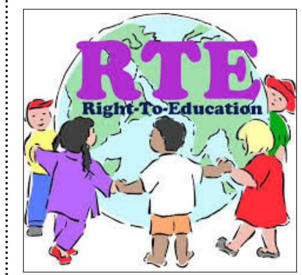

ठाणे. बच्चों के मुफ़्त और ज़रूरी शिक्षा के अधिकार एक्ट (RTE) के तहत, एकेडमिक साल 2026-27 के लिए 25 परसेंट रिज़र्व एडमिशन प्रोसेस में लॉटरी से चुने गए स्टूडेंट्स के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और एडमिशन की डेडलाइन 30 अप्रैल, 2026 तक बढ़ा दी गई है। इस प्रोसेस में शामिल होने वाले पेरेंट्स की आसानी को ध्यान में रखते हुए और सभी एलिजिबल स्टूडेंट्स को एडमिशन का मौका देने के लिए, डेडलाइन 01 मई, 2026 से बढ़ाकर 08 मई, 2026 कर दी गई है। यह एक्सटेंशन फाइनल है और पेरेंट्स के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़ाई करना और दिए गए समय के अंदर संबंधित स्कूल में एडमिशन प्रोसेस पूरा करना ज़रूरी है।ज़िला परिषद शिक्षा विभाग ने साफ़ किया है कि इस समय के बाद कोई और एक्सटेंशन नहीं दिया जाएगा। इसलिए, जिन भी स्टूडेंट्स के नाम ड्रॉ लिस्ट में हैं, उनके माता-पिता बिना देर किए तुरंत ज़रूरी कार्रवाई करें।

एडमिशन प्रोसेस के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स, एप्लीकेशन की जानकारी और संबंधित स्कूलों की जानकारी ऑफिशियल पोर्टल पर उपलब्ध है, और प्रशासन ने माता-पिता से अपील की है कि वे इसे चेक करें और नियमों के अनुसार प्रोसेस पूरा करें। शिक्षा अधिकारी बालासाहेब रक्षे ने बताया, "RTE के तहत 25 प्रतिशत रिज़र्व एडमिशन वंचित ग्रुप के स्टूडेंट्स के लिए एक बहुत ही ज़रूरी मौका है। यह डेडलाइन इसलिए बढ़ाई गई है ताकि कोई भी योग्य स्टूडेंट सिर्फ़ डॉक्यूमेंट्स वेरिफ़िकेशन न होने की वजह से वंचित न रहे। माता-पिता दिए गए समय में सभी ज़रूरी प्रोसेस पूरे करें और अपने बच्चे का एडमिशन कन्फ़र्म करें। इसके बाद कोई एक्सटेंशन नहीं दिया जाएगा।

प्राइवेट लैंड सर्वेइंग सर्विसेज़ के लिए ई-टेंडर जारी

ठाणे. डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर की एडमिनिस्ट्रेटिव मंज़ूरी से, ठाणे डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ लैंड रिकॉर्ड्स ने महा-टेंडर पोर्टल पर टेंडर ID: 2026_SCDLR_1298696_1 के तहत एक ई-टेंडर जारी किया है। यह टेंडर ठाणे डिस्ट्रिक्ट में लैंड सर्वेइंग और उससे जुड़े टेक्निकल काम को आसानी से और असरदार तरीके से करने के लिए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर ऑर्गनाइज़ेशन से प्राइवेट लैंड सर्वेइंग सर्विसेज़ देने के लिए है।डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ लैंड रिकॉर्ड्स, ठाणे ने अपील की है कि इस टेंडर प्रोसेस को ज़्यादा से ज़्यादा एलिजिबल और इंटरेस्टेड ऑर्गनाइज़ेशन से कॉम्पिटिटिव रिस्पॉन्स मिलें, और टेंडर प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी, कॉम्पिटिटिवनेस और एडमिनिस्ट्रेटिव एफिशिएंसी बनी रहे।

कंक्रीट की बदबू से घुट रहा है दम

■ 40° के टेम्परेचर से शहर झुलस रहा है

ठाणे. शहर में बढ़ते टेम्परेचर, तेज़ी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल और घटती हरियाली को देखते हुए, लोग अब यह सवाल पूछ रहे हैं, "यह डेवलपमेंट है या बर्बादी?"। अभी, शहर का टेम्परेचर 38 से 41 डिग्री के बीच है, और बिना प्लान के शहरीकरण की वजह से गर्मी दिन-ब-दिन तेज़ होती जा रही है।शहर में बन रही ऊंची बिल्डिंग्स, सीमेंट-डामर का बढ़ता जाल और खुली जगहों की कमी ने ठाणे की नेचुरल सांस रोक दी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो शहर कभी अपनी झीलों और हरियाली के लिए जाना जाता था, वह अब "अर्बन हीट आइलैंड" की समस्या से जूझ रहा है। यह भी साफ़ हो गया है कि हरियाली की कमी की वजह से शहर का टेम्परेचर आस-पास के इलाकों के मुकाबले 2 से 4 डिग्री ज़्यादा रिकॉर्ड किया जा रहा है।पर्यावरणविद डॉ.प्रशांत सिनकर का कहना है कि डेवलपमेंट के नाम पर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हो रही है, वहीं एनवायरनमेंटलिस्ट्स ने एडमिनिस्ट्रेशन की बुराई की है कि वह असरदार पेड़ लगाने या मुआवज़े के तौर पर ग्रीन बेल्ट बनाने को नज़रअंदाज़ कर रहा है। झीलों, वेटलैंड्स और कुदरती पानी के रास्तों पर कब्ज़ा भी गर्मी बढ़ाने में मदद कर रहा है।इस बीच, बढ़ता तापमान लोगों की सेहत पर भी असर डाल रहा है। हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और सांस की दिक्कतें बढ़ रही हैं, और दोपहर में सड़कों पर घूमना मुश्किल हो गया है। हालांकि, इस बात से नाराज़गी है कि एडमिनिस्ट्रेशन इस बैकग्राउंड में सिर्फ़ फॉर्मल कदम उठा रहा है। पॉलिटिकल लेवल पर 'स्मार्ट सिटी' और 'ग्रीन सिटी' का ऐलान किया जा रहा है, लेकिन असल में आरोप लग रहे हैं कि डेवलपमेंट प्लान में एनवायरनमेंट बैलेंस को दूसरी जगह दी जा रही है। ऐसी चर्चा है कि कंस्ट्रक्शन को प्रायोरिटी देते हुए, शहर के लंबे समय के एनवायरनमेंटल असर को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।ठाणे में बढ़ता तापमान और कंक्रीट के जंगल खराब अर्बन प्लानिंग का नतीजा हैं। पेड़ों की कटाई, झीलों पर कब्ज़ा और ग्रीन स्पेस की कमी की वजह से शहर "हीट आइलैंड" बनता जा रहा है। अगर पेड़ों का बचाव, पानी के सोर्स का बचाव और सस्टेनेबल प्लानिंग तुरंत लागू नहीं की गई, तो ठाणे झीलों के शहर के तौर पर अपनी पहचान खो देगा और गर्मी से झुलसने वाले शहर के तौर पर जाना जाएगा।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ द्वारा वीर शिरोमणि पृथ्वीराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई

उल्हासनगर. गत 33 वर्षों से वीर शिरोमणि पृथ्वीराज चौहान की जयंती राष्ट्रीय चौहान महासंघ द्वारा उल्हासनगर शहर में मनाई जाती है. इसी कड़ी को अग्रसर रखते हुए राष्ट्रीय चौहान महासंघ के उल्हासनगर जनसंपर्क कार्यालय शास्त्रीनगर, पंजाबी कालोनी, उल्हासनगर-3 में 29 अप्रैल को शाम 7 बजे महासंघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा पृथ्वीराज चौहान, परमपूज्य बाबासाहेब आंबेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज के फोटो पर माल्यार्पण करते हुए, जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर महाप्रसाद एवं लड्डू का वितरण कर जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई. कार्यक्रम में आए हुए गणमान्य लोगों का सत्कार पुष्पगुच्छ देकर महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया. जयंती को सफल बनाने में रामसिंह चौहान, अक्षयलाल चौहान, तेजप्रताप चौहान, योगेंद्र चौहान, बेचन चौहान, वासुदेव चौहान, रामसेवक चौहान, संतोष सिंह चौहान, बाबा चौहान, युवा समाजसेवक आकाश चौहान अपने करीबी मित्रों के साथ अनमोल सहयोग प्रदान किया. महासंघ द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसिंह चौहान पूर्व विरोधी पक्ष नेता प्रभुनाथ गुप्ता, समाजसेवक कमलेश यादव, विद्यार्थी वर्ग अनमोल मार्गदर्शन करने वाले योगेश विश्वकर्मा, चंद्रभान जैसवार, भारतीय बौद्ध महासभा शास्त्री नगर शाखा के सचिव त्रिभुवन जैसवार, मनोज जैसवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान एवं सत्कार बड़े जोरदार रूप से किया गया.

76 साल के नाना पाटेकर ने ट्राइसेप डिप्स किए

■ जिम में गमछा डाले दिखे एक्टर

■ शिल्पा शेट्टी ने की फिटनेस की तारीफ

76 साल के एक्टर नाना पाटेकर का जिम में ट्राइसेप डिप्स करने का वीडियो सामने आया है, जिसे फोटोग्राफर-प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

अतुल कासबेकर द्वारा पोस्ट की गई रील में नाना पाटेकर हल्के भूरे शॉर्ट्स और सफेद बनियान में नजर आ रहे हैं। गले में गमछा डाले वे बिना किसी कठिनाई के ट्राइसेप डिप्स करते हैं और अंत में मुस्कुराते हैं। अतुल ने दावा किया कि नाना ने कुल 15 डिप्स किए।

अतुल ने पोस्ट के कैप्शन में उनकी फिटनेस की तारीफ करते हुए लिखा कि नाना ने उन्हें अपने फिटनेस गोल्स दोबारा तय करने पर मजबूर कर दिया।

वहीं, कुछ सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी। शिल्पा शेट्टी ने क्लैप इमोजी के साथ उनकी फिटनेस की तारीफ की। सिंगर बादशाह ने 'OG' लिखा। एक्टर राहुल देव और विनीत सिंह ने भी उनके फिटनेस लेवल की तारीफ की।

नाना ने हाल ही में ओटीटी डेब्यू किया

■ वर्क फ्रंट की बात करें तो नाना पाटेकर ने हाल ही में प्रकाश झा द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'संकल्प' के साथ ओटीटी डेब्यू किया है। यह वेब सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर 11 मार्च 2026 को रिलीज हुई थी। इसके अलावा नाना फिल्म 'ओ रोमियो' में भी नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने इस्माइल खान नाम के एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया था। मूवी 13 फरवरी को रिलीज हुई थी।

महापौर ने किया नाले की सफ़ाई के काम का उद्घाटन

ठाणे। कोपरी इलाके में नाले की सफ़ाई के काम का उद्घाटन आज मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने किया। ठाणे शहर के अलग-अलग हिस्सों में नाले की सफ़ाई का काम शुरू हो गया है और आज कोपरी के बिमसनाला से नाले की सफ़ाई का काम शुरू किया गया। मेयर ने काम की प्लानिंग करके जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए ताकि मॉनसून से पहले सभी नाले साफ़ हो जाएं।इस मौके पर लोकल कॉर्पोरेटर मालती पाटिल, नम्रता पमनानी, डिप्टी चीफ सैनिटेशन इंस्पेक्टर लक्ष्मण पुरी के साथ-साथ नौपाड़ा-कोपरी वार्ड कमेटी के सैनिटेशन इंस्पेक्टर मुकादम और लोकल नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।उद्घाटन के बाद, नाले की सफ़ाई का असली काम शुरू हुआ। संबंधित अधिकारियों ने रेगुलर सफ़ाई और मेंटेनेंस पर ज़ोर दिया और नागरिकों से सफ़ाई के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

उल्हासनगर महानगरपालिका

जनगणना 2027 स्व-गणना प्रक्रियेत सहभागी व्हा -आयुक्त मनीषा आव्हाळे यांचे नागरिकांना आवाहन

उल्हासनगर : भारताची जनगणना 2027 या महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपक्रमाच्या पार्श्वभूमीवर उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या मा. **आयुक्त मनिषा आव्हाळे,** यांनी शहरातील सर्व नागरिकांना स्वगणना प्रक्रियेत सक्रिय सहभाग नोंदविण्याचे आवाहन केले आहे. देशाच्या सर्वांगीण विकासासाठी अचूक व विश्वासार्ह लोकसंख्यात्मक माहिती संकलित करणे अत्यंत आवश्यक असून, जनगणनेतून मिळणा या आकडेवारीच्या आधारे शासन विविध विकासात्मक योजना तयार करत असते, असे त्यांनी नमूद केले.

- भारताची जनगणना 2027 अंतर्गत प्रक्रियेमध्ये नागरिकांना स्व-गणना (Self Enumeration) ही सुविधा दिनांक 01 मे 2026 ते 15 मे 2026 या कालावधीत सर्व नागरिकांना स्व-गणनेची सोय https://se.census.gov.in या वेबसाईट उपलब्ध करुन देण्यात येणार आहे. स्वगणना केलेल्या कुटुबांची माहिती प्रगणकाच्या एचएलओ (HLO) अॅप मध्ये नोंद केली जाईल तरी कुटुंब प्रमूखानी त्यांच्या घरी घरभेटीसाठी आलेल्या प्रगणकाला स्वगणना आयडी (SE ID) देणे आवश्यक आहे. जेणे करुन पर्यवेक्षक डाटा अचूक रित्या भरल्याबाबत खात्री करुन अंतीम करतील.
- दिनांक 16 मे 2026 ते 14 जून 2026 पर्यंत प्रगणक व पर्यवेक्षक घरोघरी जाऊन 33 प्रश्नांव्दारे माहिती संकलित करणार आहेत. यात
- घराचा प्रकार, रचना. भिंत. छप्पर फरशीसाठी वापरलेले साहित्य, घरातील सदस्यांची संख्या, विवाहीत जोडप्यांची माहिती, कुटुंब प्रमुखाची नाव, लिंग, जेवण खाण्याची सवयी, वाहन व इतर सुविधांची माहिती समाविष्ट असेल

आयुक्त मनीषा आव्हाळे यांनी नागरिकांना आवाहन करताना स्पष्ट केले की, स्व-गणना करताना कुटुंबातील सर्व सदस्यांची अचूक व संपूर्ण माहिती नोंदविणे आवश्यक आहे. कोणतीही चुकीची किंवा अपूर्ण माहिती देणे टाळावे. नागरिकांनी दिलेली सर्व माहिती गोपनीय ठेवली जाईल, याची शासनाकडून हमी देण्यात आली आहे. उल्हासनगर शहराच्या नियोजनबद्ध विकासासाठी प्रत्येक नागरिकाचा सहभाग अत्यंत महत्त्वाचा असल्याचे अधोरेखित करत, आयुक्त मनीषा आव्हाळे यांनी सर्व नागरिकांनी स्वगणना प्रक्रियेत उत्स्फूर्तपणे सहभागी व्हावे, असे आवाहन केले आहे.

सही/-
(मनिषा आव्हाळे, भा.प्र.से)
आयुक्त तथा प्रधान जनगणना अधिकारी
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. एमपा / पीआरओ/692/2026 दिनांकः- 30/04/2026

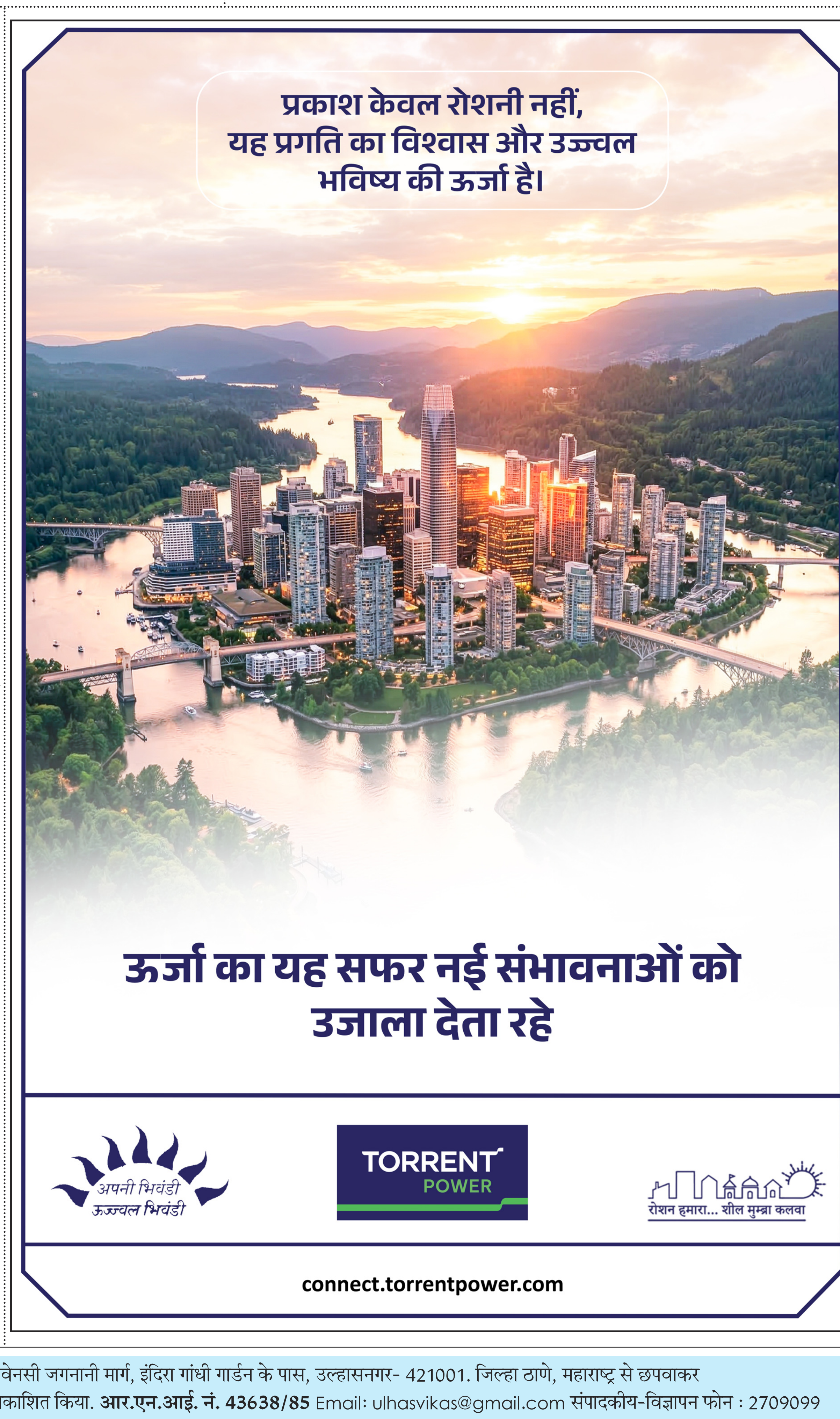

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099